आँकड़ों का व्यवस्थितिकरण

आँकड़ों का व्यवस्थीकरण तभी संभव है जब उन्हें उनके विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाये |

आँकड़ों का वर्गीकरण : वह प्रक्रिया जिसके द्वारा आँकड़ों को उनकी समानता और असमानता के आधार पर विभिन्न वर्गों में विभाजन किया जाता है, वर्गीकरण कहलाता है |

वर्गीकरण के उद्देश्य :

(i) आँकड़ों को सरल एवं संक्षिप्त बनाना |

(ii) आँकड़ों की समरूपता को प्रकट करके उनकी उपयोगिता को बढ़ाना |

(iii) आँकड़ों को विभेदकारी बनाना ताकि उनके विशिष्ट अंतर को समझा जा सके |

(iv) आँकड़ों को तुलना योग्य या अनुमान योग्य बनाना |

(v) वैज्ञानिक आधार प्रदान करना ताकि उनकी विश्वसनीयता बढे |

(vi) आकर्षक और प्रभावशाली बनाना |

आँकड़ों का वर्गीकरण का आधार :

(i) भौगोलिक आधार पर

(ii) समयानुसार वर्गीकरण

(iii) गुणात्मक वर्गीकरण

(a) साधारण वर्गीकरण

(b) बहुगुणी वर्गीकरण

(iv) मात्रात्मक या संख्यात्मक वर्गीकरण

चर की अवधारणा

किसी तथ्य की वह विशेषता या प्रक्रिया जिसे संख्याओं के रूप में मापा जा सकता है | चर कहलाती है |

चर दो प्रकार के होते है |

(i) विविक्त या खंडित चर: इनके मान पूर्णांक में होते है, भिन्नात्मक नहीं होते है |

क्रिकेट देखने वालों की उम्र (वर्ष में) : 23, 24, 30, 32, 38, 40. …… इत्यादि |

(ii) अखंडित चर : इनका मान भिन्नात्मक होते है |

जैसे : ग्यारहवी के 10 विद्यार्थियों की लम्बाई : 5'1", 5'2", 4'8", 4'9", 5'3", 5'5"…… इत्यादि |

शुद्ध आँकडे : वे आँकडे जिन्हें एक अनुसंधान कर्ता अपने अनुसंधान के दौरान संकलित करता है, जो अव्यवस्थित रूप में होते है, शुद्ध आंकड़े कहलाते है |